

12015
1803



Игорь
Золотусский

ИНТЕЛЛИГЕНЦИИ
СМЕНА ВЕХ

СОДЕРЖАНИЕ

КРИТИКА. ЭССЕ

| | |
|--|-----|
| Прости, отчество! | 6 |
| На перекрёстке эпох | 18 |
| Приоритет Толстого | 33 |
| Лихорадка и синтез | 37 |
| Гений излишка | 76 |
| Русская звезда. Заметки о двух романах Булгакова | 81 |
| Триптих о Булгакове | 129 |
| Лучшая правда — вымысел | 136 |
| Доколе? О микрофинале, протосюжете, о Базарове, резавшем кошек, и ещё кое о чём | 145 |
| Необходимые замечания | 165 |
| Постижение стихии | 172 |
| Русская тема | 180 |
| Бедные дети распада | 183 |
| Не полюби ближнего как самого себя | 186 |
| С пустым загашником | 191 |
| Интеллигенция: роман с властью | 198 |
| Интеллигенция: смена вех | 202 |
| Новый порядок и «русский вопрос» | 210 |
| Код Победы | 214 |
| Этюд о Гамлете | 218 |
| На лестнице у Раскольникова | 223 |

ПОРТРЕТЫ

Путешествие к Набокову.

| | |
|---|-----|
| Из дневника одной телевизионной поездки | 228 |
| Трагедия мечты | 250 |
| Портрет максималиста | 255 |
| Оборвавшийся звук | 265 |

| | |
|---|-----|
| Вина и жертва | 282 |
| Горький привкус смеха | 291 |
| Невольник чести | 309 |
| Абсолютный слух | 313 |
| Знак беды. (<i>Три встречи с Василем Быковым</i>) | 317 |
| Акварель с маками | 325 |
| Рыцарь — оруженосец | 334 |
| У времени в плену | 344 |
| Невесёлый солдат | 356 |
| О памяти и памятниках | 360 |
| Клятвы о правде | 366 |

ИЗ КНИГИ «СМЕХ ГОГОЛЯ»

| | |
|--|-----|
| Смех Гоголя | 372 |
| Обманутый Хлестаков | 380 |
| Ещё о «Ревизоре» | 387 |
| Мёртвые души | 403 |
| Гоголь и Достоевский | 426 |
| Пушкин в «Выбранных местах из переписки с друзьями» .. | 435 |
| Трапеза любви | 449 |

МОСКВА, 14 апреля 2005 года

| | |
|---|-----|
| <i>Александр Солженицын. «Его цель — показывать прекрасное»</i> | 457 |
| <i>Валентин Непомнящий. «Против течения»</i> | 464 |
| <i>Людмила Сараксина. Свидетельство веры</i> | 467 |
| <i>Игорь Золотусский. Испытание духа</i> | 472 |
| <i>Об авторе</i> | 477 |